भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 11 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: i) अगले 7 दिनों के दौरान उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 11 और 13 अगस्त, 2025 को उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी (≥21 सेमी) वर्षा हो सकती है।

ii) पूर्वी मध्य भारत और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि; 13 से 17 अगस्त के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भारी से बहुत भारी वर्षा का एक नया दौर, जबकि 14 और 15 अगस्त को तेलंगाना में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

iii) 11-14 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 11 और 12 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में और 12 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

पिछले 24 घंटों में 11 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ✓ उत्तराखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ✓ पश्चिम उत्तर प्रदेश, झारखंड, असम और मेघालय, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; जम्मू-कश्मीर, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, बिहार, मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, तेलंगाना, कराईकल, तमिलनाडु और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

  पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ औसत समुद्र तल पर मानसून द्रोणिका का पश्चिमी छोर अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर और पूर्वी छोर औसत समुद्र तल पर हिमालय की तलहटी के पास स्थित है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तेलंगाना के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण की ओर बढ़ रहा है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पश्चिम उत्तर के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर कच्छ और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व असम के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है।
- ✓ 13 अगस्त, 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और समीपवर्ती पश्चिम-मध्य में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है और अगले 2 दिनों के दौरान इसके और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 11 और 13 अगस्त को उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।
- 13 से 15 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर, 11 से 17 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड, 11 और 13 से 15 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, 11 से 15 अगस्त के दौरान उत्तर प्रदेश, और 15 से 17 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 11 से 14 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, 12 और 14 से 17 अगस्त के दौरान उत्तराखंड, 11, 13 और 14 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, और 13 और 14 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- 10 अगस्त को हिमाचल प्रदेश, और अगले 7 दिनों तक जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- 12 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।
- 11 से 15 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 11 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 3 दिनों तक कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 14 और 15 अगस्त को तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।
- 13 से 17 अगस्त के दौरान कर्नाटक, 11 से 15 अगस्त के दौरान रायलसीमा, 11 से 17 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, 11 से 13 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, और 12 और 14 से 17 अगस्त के दौरान केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 13 से 15 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, 13 और 14 अगस्त को रायलसीमा, और 13 से 17 अगस्त के दौरान तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 2 दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज सतही हवाएं (40-50 किमी/घंटा) की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, और तेलंगाना में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- 11 और 12 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।
- 11 और 14 से 17 अगस्त के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश, 11 से 17 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, 12 से 17 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़, 11 और 12 अगस्त को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, 13 और 14 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, 11 से 14 अगस्त के दौरान बिहार, और 14 और 15 अगस्त को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 17 अगस्त को पश्चिम मध्य प्रदेश, 13 और 14 अगस्त को विदर्भ, छत्तीसगढ़, 13 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, 11 से 13 अगस्त के दौरान बिहार, और 12 और 13 अगस्त को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 13 से 17 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र, 12 से 17 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा, 12 अगस्त को गुजरात, और 15 अगस्त को मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 16 और 17 अगस्त को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक इस क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 11 अगस्त से 16 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

अरब सागर: 11 से 13 अगस्त के दौरान दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, 13 से 16 अगस्त के दौरान पश्चिम-मध्य अरब सागर और इससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, उत्तरी अरब सागर के दक्षिणी हिस्सों, और पूरे कोंकण और गोवा तटों, 11 से 16 अगस्त के दौरान कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान तट के साथ और उसके आसपास, 12 से 14 अगस्त के दौरान उत्तरी गुजरात तट और आसपास के उत्तर-पूर्व अरब सागर, और 12 अगस्त को दक्षिण कोंकण और गोवा तटों पर न जाएं।

बंगाल की खाड़ी: 11 से 16 अगस्त के दौरान श्रीलंका तट, मन्नार की खाड़ी और दक्षिण तमिलनाडु तट के साथ और उसके आसपास, 12 से 16 अगस्त के दौरान पूरे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्व और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, 13 से 15 अगस्त के दौरान आंध्र प्रदेश तट और आसपास के पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी, 15 अगस्त को उत्तरी आंध्र प्रदेश, 13 से 16 अगस्त के दौरान ओडिशा तटों, और 11 से 15 अगस्त के दौरान अंडमान सागर तक न जाएं।

ii. 11 से 14 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

❖ **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: न्यूलैंड्स टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 29; कुमारग्राम टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 25; संकोस टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 21; संकोश (जिला कूच बिहार) 20; कुमारग्राम (जिला अलीपुरद्वार) 18; भटकावा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), डीमा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), रायडाक टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 17 प्रत्येक; आर्यमन टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), दलगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 16 प्रत्येक; मंगन (जिला मंगन) 15; अलीपुरद्वार पीटीओ (जिला अलीपुरद्वार) 14; गोपालपुर टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), मझेरदबरी टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 13 प्रत्येक; मेखलीगंज (जिला कूच बिहार) 12; डेंगुआझार टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), पटकापारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 11 प्रत्येक; चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी), पलाशबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 10 प्रत्येक; डोमोहानी (जिला जलपाईगुड़ी), नामथांग (जिला नामची), एनएच31 ब्रिज (जिला जलपाईगुड़ी), चेपन (जिला अलीपुरद्वार), जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), मायनागुरी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी) 9 प्रत्येक; बक्सादुआर (जिला अलीपुरद्वार), फालाकाटा (जिला अलीपुरद्वार), धराला वैली टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गैरकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गंधरापारा टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार), सुभासिनी टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 8 प्रत्येक; संकलन (जिला मंगन), बारोभिशा (जिला अलीपुरद्वार), मथाभांगा (जिला कूच बिहार), कूच बिहार (जिला कूच बिहार), जलपाईगुड़ी (जिला

जलपाईगुड़ी), सिंगिक (जिला मंगन), सूर्यसेन महाविद्यालय (जिला दार्जिलिंग), हिल्ला टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), सिलीगुड़ी पीटीओ (जिला दार्जिलिंग), बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 7 प्रत्येक;

- **उत्तराखंड**: हरिद्वार (जिला हरिद्वार) 24; रोशनाबाद (जिला हरिद्वार) 14; भगवानपुर (जिला हरिद्वार) 12; सामा (जिला बागेश्वर) 11; लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 9; रुड़की (जिला हरिद्वार), जॉलीग्रांट (जिला देहरादून), डीडीहाट (जिला पिथौरागढ़) 8 प्रत्येक; कर्णप्रयाग (जिला चमोली), देहरादून (जिला देहरादून), नैनीताल (जिला नैनीताल) 7 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय**: मावसिनराम (जिला पूर्व खासी हिल्स) 15; चेरापूंजी (जिला पूर्व खासी हिल्स), चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्व खासी हिल्स) 14 प्रत्येक; बेकी मथुंगरी (जिला बारपेटा) 13; कोकराझार (जिला कोकराझार), मुशालपुर AWS (जिला बक्सा), हजुआह (जिला बारपेटा) 9 प्रत्येक; करीमगंज (जिला श्रीभूमि) 7;
- **झारखंड**: महेशपुर (जिला पाकुड़) 15, जामताड़ा (जिला जामताड़ा) 10, गरु (जिला लातेहार), शिकारी (जिला दुमका) 9;
- **ओडिशा**: दैतारी (जिला केंझरगढ़) 15, टिकाबली (जिला कंधमाल) 9, जयपुर (जिला बालासोर) 8;
- **पश्चिम उत्तर प्रदेश**: सहारनपुर (जिला सहारनपुर) 14;
- **रायलसीमा**: नंदिकोटकुर (जिला नंद्याल) 13; जुपाडु बंगलो (जिला नंद्याल) 9; नागरी (जिला चित्तूर), अस्पारी (जिला कुरनूल), ओरवाकल (जिला कुरनूल), धर्मवरम (जिला श्री सत्यसाई जिला) 7 प्रत्येक;
- **तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल**: कराईकल (जिला कराईकल) 11; मणलमेडु (जिला मयिलादुत्तुराई) 10; उथुकोट्टाई (जिला तिरुवल्लूर), थलुथलई (जिला पेरंबलूर) 9 प्रत्येक; कोल्लिदम (जिला मयिलादुत्तुराई), थंजई पापनासम (जिला थंजावुर), तिरुत्तुराइपुंडी (जिला तिरुवरूर), पुल्लमबाड़ी (जिला त्रिची) 8 प्रत्येक; के.एम.कोइल (जिला कुड्डालोर), हारूर (जिला धर्मपुरी), उथिरमेरूर (जिला कांचीपुरम), तिरुवरूर (जिला तिरुवरूर), तिरुपत्तूर (जिला तिरुपत्तूर), पनरुटी (जिला कुड्डालोर), तिरुवरूर AWS (जिला तिरुवरूर), भुवनगिरी (जिला कुड्डालोर), थलैग्नायेर (जिला नागपट्टिनम), वेलंकन्नी (जिला नागपट्टिनम), देवीमंगलम (जिला त्रिची) 7 प्रत्येक;
- **हरियाणा**: छछरौली (जिला यमुना नगर) 11; दादूपुर (जिला यमुना नगर) 10; जगाधरी (जिला यमुना नगर) 9;
- **बिहार**: शियोहर (जिला शियोहर) 11, कौवाकोल (जिला नवादा) 8, मैरवा (जिला सिवान) 7, बरहट (जिला जमुई) 7;
- **पूर्व मध्य प्रदेश**: पथरिया (जिला दमोह) 10; खजुराहो एपी (जिला छतरपुर) 8; बतियागढ़ (जिला दमोह) 7;
- **जम्मू**: कठुआ ARG (जिला कठुआ), कठुआ (जिला कठुआ) 9 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र**: पारडी (जिला वलसाड) 9; वलसाड (जिला वलसाड), उमरगाम (जिला वलसाड) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: अलमपुर (जिला जोगुलंबा गदवाल) 9; कोसगी (जिला नारायणपेट), बोमरासपेटा (जिला विकराबाद) 8 प्रत्येक; घाटकेसर एपी (जिला रंगारेड्डी) 7;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: गोहरगंज (जिला रायसेन) 8;
- **मध्य महाराष्ट्र**: कारजत (जिला अहिल्यानगर) 8;
- **कोंकण**: सावर्डे-एआरजी (जिला रत्नागिरी) 7;
- **पंजाब**: रणजीत सागर डैम साइट (जिला पठानकोट), मधोपुर (जिला पठानकोट) 7 प्रत्येक;
- **पूर्व उत्तर प्रदेश**: बलिया (जिला बलिया), बर्डघाट (जिला गोरखपुर) 7 प्रत्येक।

S.No.	Subdivision	11- Aug	12- Aug	13- Aug	14- Aug	15- Aug	16- Aug	17- Aug
Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	WS
9	BIHAR	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	WS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS
14	PUNJAB	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	FWS	WS	WS	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT
29	TELANGANA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक III

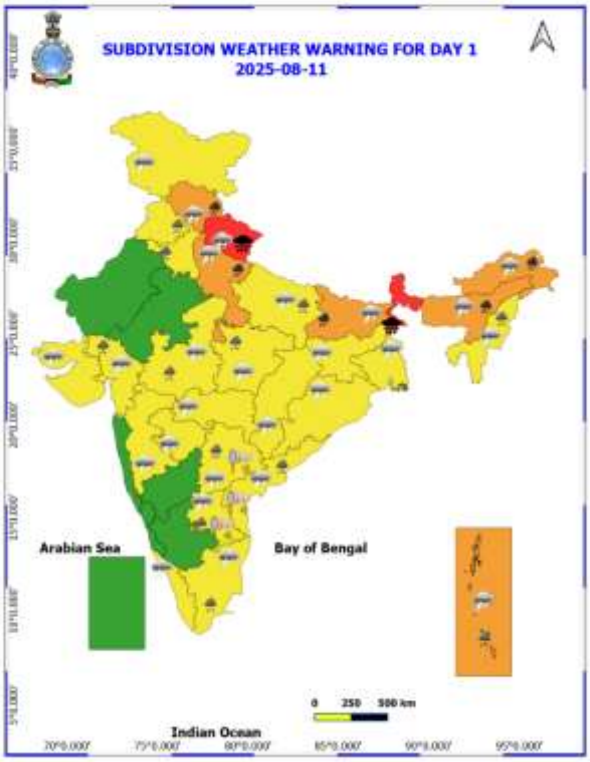
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-11
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

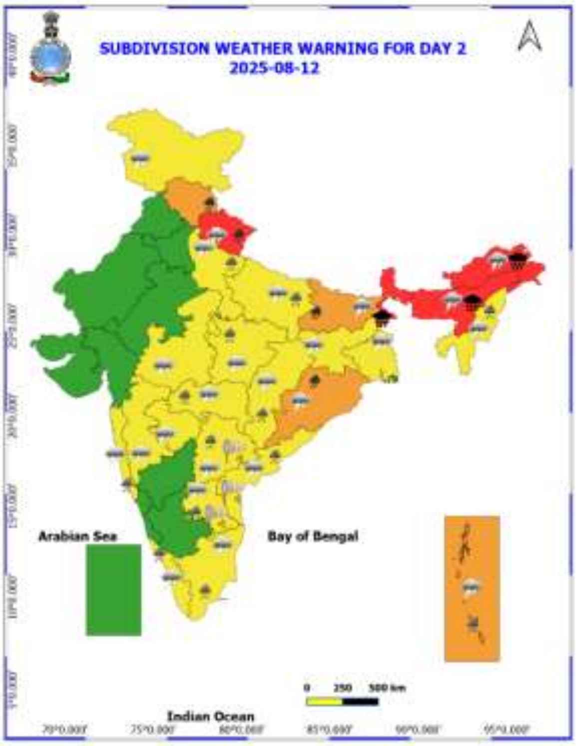
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-12
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

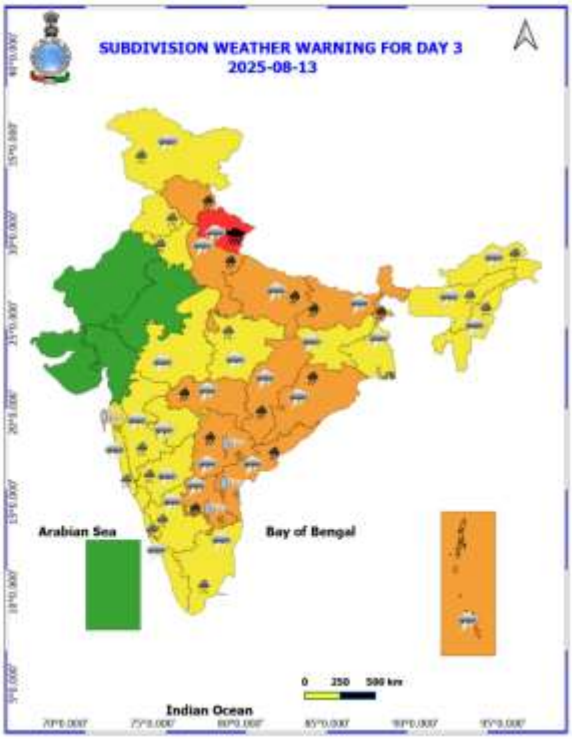
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-13
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

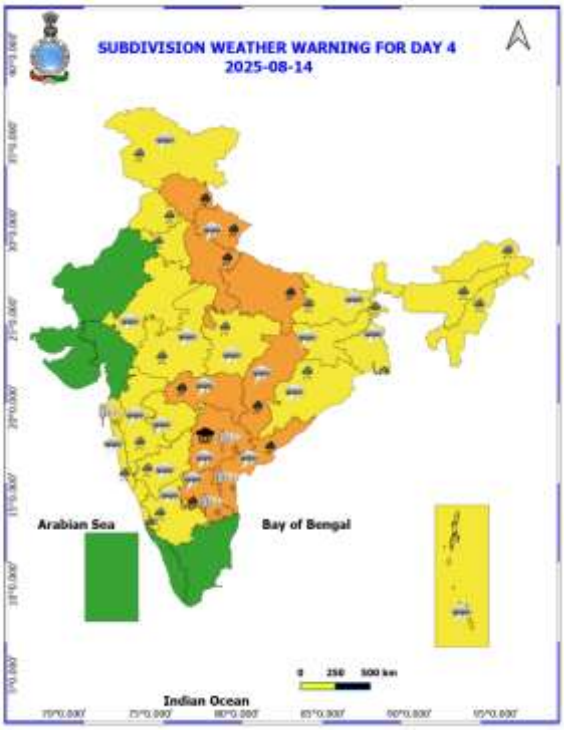

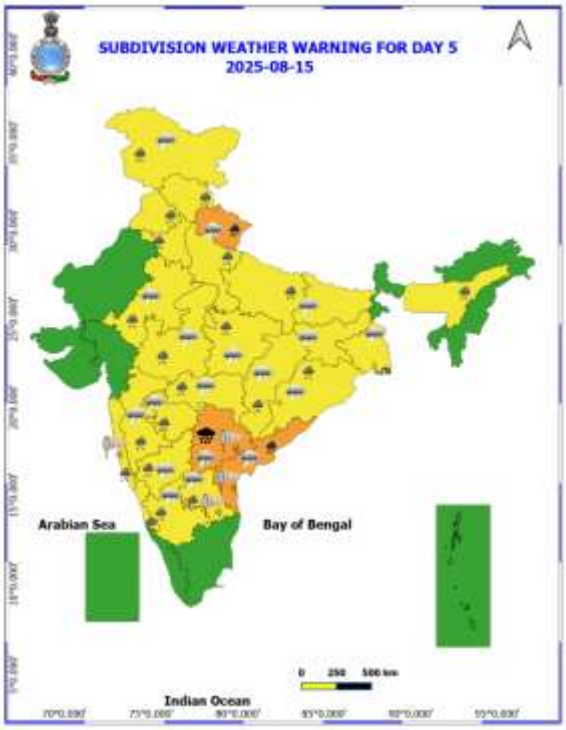

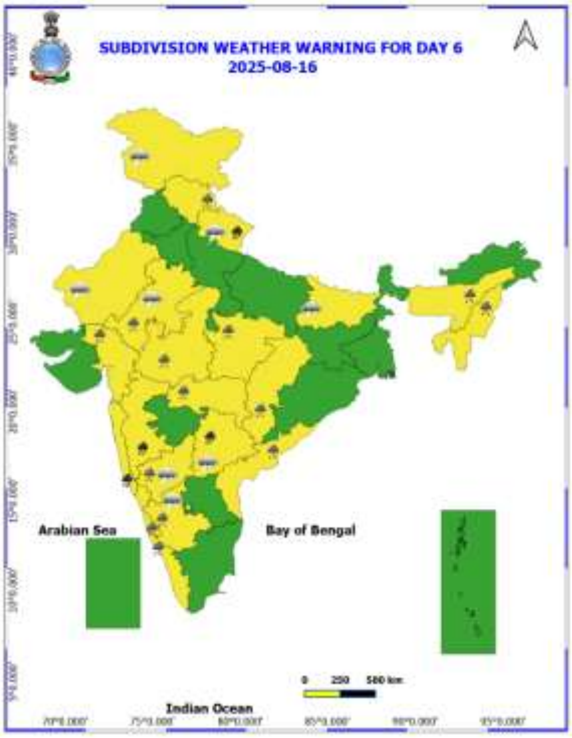

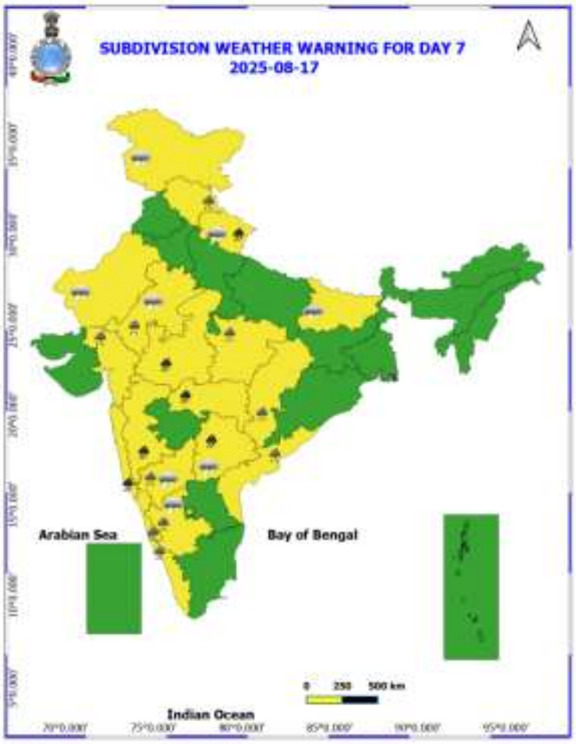

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 11 से 14 अगस्त 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहे। दक्षिण-पश्चिमी हवाएँ चलीं, जिनकी गति 22 किमी प्रति घंटा तक थी। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कोई उल्लेखनीय वर्षा दर्ज नहीं की गई। आज सुबह आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

11.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय हल्की से बहुत हल्की वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। दोपहर के समय प्रबल सतही हवाएँ उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा दक्षिण दिशा से रहेगी।

12.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रबल सतही हवाएँ पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर में हवाएँ उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति 05-10 किमी प्रति घंटा दक्षिण-पूर्व दिशा से होगी।

13.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के समय हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की अधिक संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रबल सतही हवाएँ पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर में हवाएँ उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा दक्षिण-पूर्व दिशा से रहेगी।

14.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की अधिक संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। सुबह के समय प्रबल सतही हवाएँ पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर, शाम और रात में हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा उत्तर दिशा से रहेगी।

हल्की से मध्यम वर्षा और गरज/बिजली के साथ संभावित प्रभाव और सुझाव:

- सावधानी बरतें और गरज/बिजली की संभावना को देखते हुए एहतियाती उपाय करें।
- खड़ी फसलों को नुकसान, तेज हवाओं के कारण पेड़ की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से बड़ा नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान, ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नजर रखें और खराब मौसम की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें, घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद करें, यदि संभव हो तो यात्रा से बचें, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के खिलाफ न झुकें, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, तुरंत जल निकायों से बाहर निकलें, बिजली संचालित करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 11 और 13 तारीख को उत्तराखंड में; 11 और 12 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 12 तारीख को अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और 14 और 15 अगस्त को तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 11-14 तारीख के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 12 तारीख के दौरान, 14-17 तारीख के दौरान उत्तराखंड; 11, 13 और 14 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 13 और 14 तारीख को पूर्वी उत्तर प्रदेश, रायलसीमा, विदर्भ, छत्तीसगढ़; 11 तारीख को अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय; 13-15 तारीख के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, 13-17 तारीख के दौरान तेलंगाना; 17 तारीख को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 13 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 11 से 13 अगस्त के दौरान बिहार, 12 और 13 अगस्त के दौरान ओडिशा, 16 और 17 अगस्त को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में, पहले से बोई गई / रोपी गई धान, गन्ना, मक्का, उड़द, मूंग, मूंगफली, अरहर, रागी, सोयाबीन और सब्जियों की फसलों के खेतों में तथा **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी, मूंग और उड़द की फसलों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, सतही जल प्रवाह को रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत करें। मिट्टी में नमी का स्तर अनुकूल होने तक मटर की बुवाई स्थगित रखें। सब्जी और फसल के खेतों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। पके हुए शिमला मिर्च के फलों की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ➢ **हिमाचल प्रदेश** में, **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में मक्का, अदरक और सब्जियों के खेतों में तथा **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में,** चावल, मक्का और सब्जी के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में, पके हुए टमाटर की कटाई करें तथा भारी वर्षा से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए फूलगोभी की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- ➢ **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** के **दक्षिण पश्चिमी अर्ध शुष्क क्षेत्र** में धान, अरहर, गन्ना और सब्जी की फसलों के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- ➢ **बिहार** में, **उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र** में मक्का, प्याज, मिर्च और फूलगोभी की नर्सरी जैसी खड़ी फसलों से ; तथा **उत्तर-पूर्व जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का, रागी, कोदो, सावा, चीना आदि फसलों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था बनाए रखें।

- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और **तराई क्षेत्र** में अमन धान एवं सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **तराई क्षेत्र** में मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।
- **मध्य प्रदेश** में, **विंध्य पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, उड़द, कपास और अरहर; **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और सब्जी वर्गीय फसलों ; **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जी वर्गीय फसलों और **निमार घाटी क्षेत्र** में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जी वर्गीय फसलों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी प्रदान करें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, धान, मक्का, रागी, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान फलदार पौधों को झुकने या टूटने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत सहारा प्रदान करें।
- **असम** में, जलभराव से बचाव हेतु, **निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, मूंग और अरहर के खेतों और केले के बागानों में; **उत्तरी तट के मैदानी क्षेत्र** में साली धान और गन्ने के खेतों में; **ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में, जलभराव से बचाव हेतु धान, मक्का, हल्दी, मिर्च, भिंडी और करेले के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। केला, पपीता, लौकी आदि जैसी लंबी और कमजोर तने वाली फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहायता प्रदान करें।
- **तमिलनाडु में,** ज्वार के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए, विशेष रूप से भारी मिट्टी और निचले इलाकों में, उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। जड़ सड़न से बचने के लिए नारियल के पौधों के आसपास उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **तेलंगाना** में, धान की नर्सरियों और हाल ही में रोपे गए धान के साथ-साथ कपास, मक्का, अरहर, सोयाबीन, गन्ना और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

<table>
<tr>
<td>
12-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उधम सिंह नगर जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।
</td>
<td>
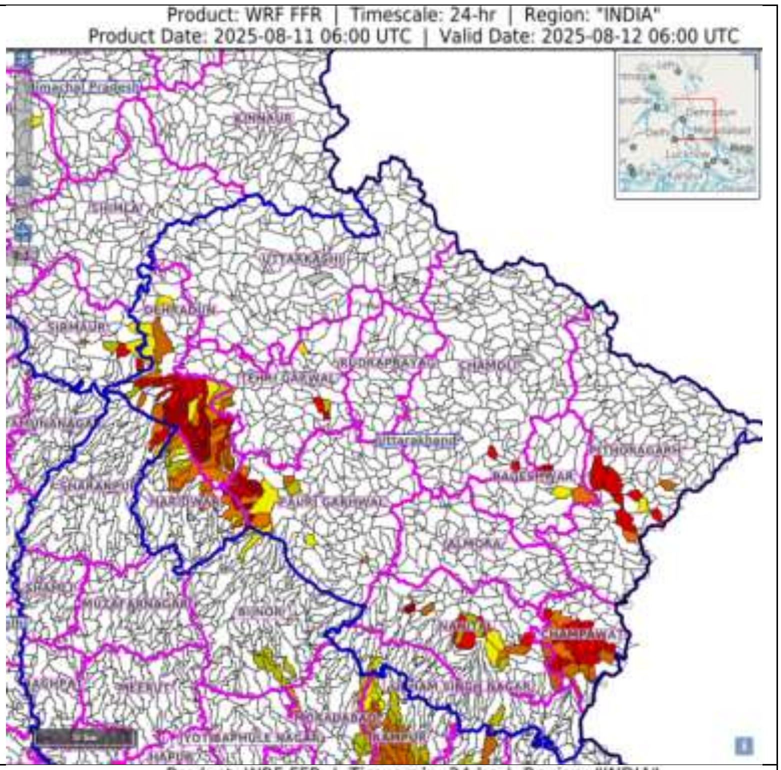

</td>
</tr>
<tr>
<td>
12-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम - पूर्वी सिक्किम, उत्तरी सिक्किम, दक्षिण सिक्किम, पश्चिमी सिक्किम, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।
</td>
<td>
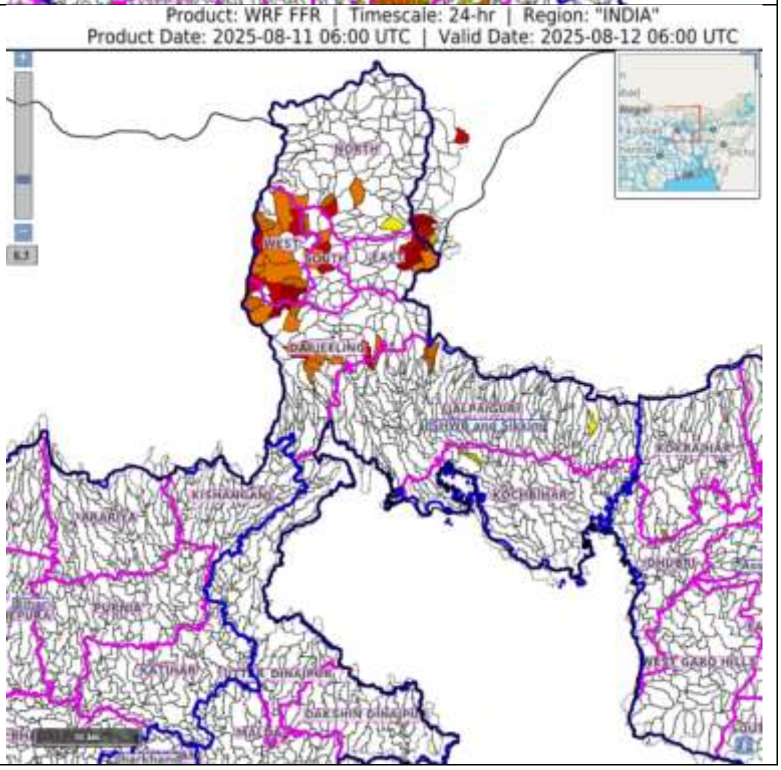

</td>
</tr>
</table>

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

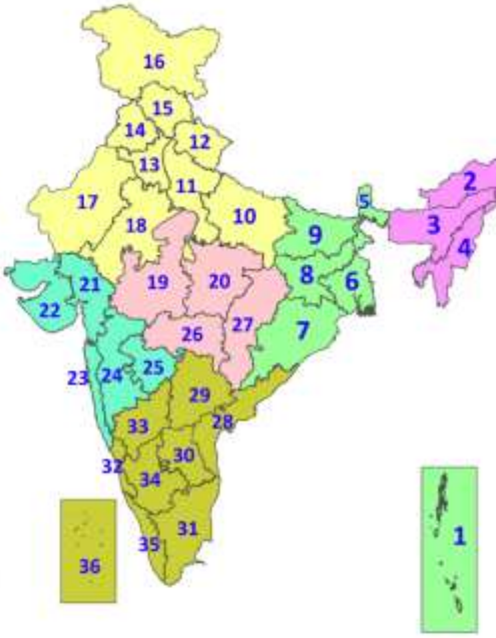

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)